

वरयामकुननाथ कुंजाहम्मद हाजी

प्रिलमिस के लयि:

वरयामकुननाथ कुंजाहम्मद हाजी, मोपला वदिरोह

मेन्स के लयि:

मोपला वदिरोह

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2021 को मोपला वदिरोह की 100 वीं वर्षगांठ के रूप में चनिहति कयि गया है।

प्रमुख बदि:

- केरल के मालाबार क्षेत्र में स्वतंत्रता सेनानी वरयामकुननाथ कुंजाहम्मद हाजी (Variyamkunnath Kunjahammed Haji) ने अंग्रेजों के खिलाफ मोपला वदिरोह का नेतृत्व कयि था।
- मोपला केरल के मालाबार तट पर खिलाफत आंदोलन के साथ जुड़ने वाला प्रमुख किसान आंदोलन था।

वरयामकुननाथ कुंजामहम्मद हाजी:

- **प्रारंभिक जीवन:**
 - वरयामकुननाथ कुंजामहम्मद हाजी का जन्म एक संपन्न मुसलमि परिवार में 1870 के दशक में हुआ था।
 - उनके पिता मोइदकुट्टी हाजी को अंग्रेजों के खिलाफ एक वदिरोह में भाग लेने के लयि अंडमान द्वीप में नरिवासति कर जेल भेज दयि गया।
 - कुंजामहम्मद के प्रारंभिक जीवन में इस तरह की व्यक्तगित घटनाओं ने उसके अंदर अंग्रेजों के खिलाफ प्रतशिोध की ज्वाला जलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाई।
 - हाजी ने पारंपरिक संगीत-आधारति कला रूपों जैसे क दफुमुट तथा मलपपुरम पदपट्टु 'और बद्र पदपट्टु' जैसी कवतिओं का उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ स्थानीय लोगों को रैली करने के लयि एक उपकरण के रूप में उपयोग कयि।
- **खिलाफत आंदोलन में भूमिका:**
 - खिलाफत आंदोलन के नेताओं तथा भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस ने उनको भारत में खिलाफत आंदोलन के प्रणेता के रूप में पेश कयि।
 - हालाँकि उनका मानना था कयिह एक तुर्की का आंतरिक मामला है परंतु उन्होंने अंग्रेजों और जमींदारों के अत्याचारों के खिलाफ उनके साथ जुड़ने का वादा कयि।
 - उन्होंने कालीकट तथा दक्षिण मालाबार में खिलाफत आंदोलन का नेतृत्व कयि।
 - हाजी ने खिलाफत आंदोलन की धर्मनरिपेक्षता को सुनश्चिति कयि तथा आंदोलन में हिंदू-मुसलमि एकता पर बल दयि एवं अन्य धर्मों के लोगों को सुरक्षा सुनश्चिति करने पर बल दयि।
 - अंग्रेजों ने उन्हें धार्मिक कट्टरपंथी नेता के रूप में पेश कयि ताकि आंदोलन को धार्मिक रंग देकर समाप्त कयि जा सके।

स्वतंत्र राज्य की स्थापना:

- मालाबार में मोपला वदिरोह फैल गया तथा शीघ्र ही स्थानीय वदिरोहियों के नरितरण में वशाल क्षेत्र पर नरितरण स्थापति कर लयि।
- अगस्त, 1921 में हाजी मोपला क्षेत्र को 'स्वतंत्र राज्य' घोषति कर वहाँ का नरिविवाद शासक बना। जनवरी, 1922 में अंग्रेजों ने हाजी को गरिफ्तार कर मौत की सजा सुनाई।
- मुसलमि होने के बावजूद उनके शव का दाह संस्कार कयि गया क्योंकि उनकी कबर वदिरोहियों के लयि प्रेरणा स्थल बन सकती थी। उनके खिलाफत राज से जुड़े सभी रिकॉर्ड जला दयि गए ताकि लोग उनके शासन को भूल सकें।

मोपला या मालाबार वदिरोह:

- केरल के मालाबार तट पर अगस्त, 1921 में अवैध कारणों से प्रेरित होकर स्थानीय मोपला किसानों ने वदिरोह कर दिया।
- मोपला केरल के मालाबार तट के मुस्लिम किसान थे जहाँ जमींदारी के अधिकार मुख्यतः हदुओं के हाथों में थे।
- 19वीं शताब्दी में भी जमींदारों के अत्याचारों से पीड़ित होकर मोपलाओं ने कई बार वदिरोह किया था।
- मोपला वदिरोह के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे:
 - लगान की उच्च दर;
 - नज़राना एवं अन्य दमनकारी तौर तरीके;
 - राष्ट्रवादी आंदोलन के साथ संबंध।
- खिलाफत आंदोलन में किसानों की मांग का समर्थन किया गया, बदले में किसानों ने भी आंदोलन में अपनी पूरी शक्त के साथ भाग लिया।
- फरवरी, 1921 में सरकार ने नषिधाज्जा लागू कर दी और कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।
- मोपला वदिरोह के हसिक रूप लेने के साथ ही कई राष्ट्रवादी नेता आंदोलन से अलग हो गए तथा शीघ्र ही आंदोलन समाप्त हो गया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/variyaamkunnath-kunjahammed-haji>

